शुभसन्देश

कहानी पुस्तक

दो

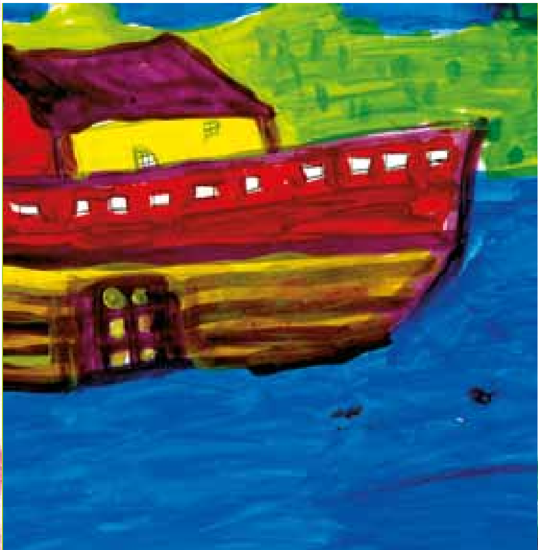

यह मेरी शुभसन्देश कहानी पुस्तक दो है

मेरा नाम ______________________________ है

मैं अपनी शुभसन्देश
कहानी पुस्तक दो को पढ़ सकता हूँ

ये कहानियाँ सृजनहार परमेश्वर के पवित्र ग्रन्थ में से हैं।

इस कहानी पुस्तक के सभी चित्र भारत के आदिवासी बच्चों ने बनाए हैं।
शुभसन्देश कहानी पुस्तक दो। कॉपीराइट 2013. भारत में मुद्रित।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें: WBTC India, P.O. Box 8478, Bangalore 560084.
Email: info@wbtcindia.com

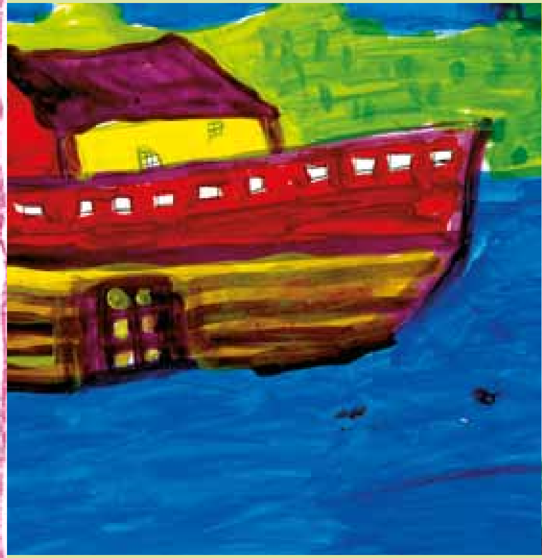

एक बड़ा, बड़ा, बड़ा तूफान 2-15
एक विशेष उपहार....................................... 16-32

एक बड़ा, बड़ा, बड़ा तूफान

हमारे पूर्वजों के समय में...

मैं अपने लोगों को देख सकता हूँ।

ऐसे बहुत लोग हैं जो सृजनहार
परमेश्वर को नहीं जानते।

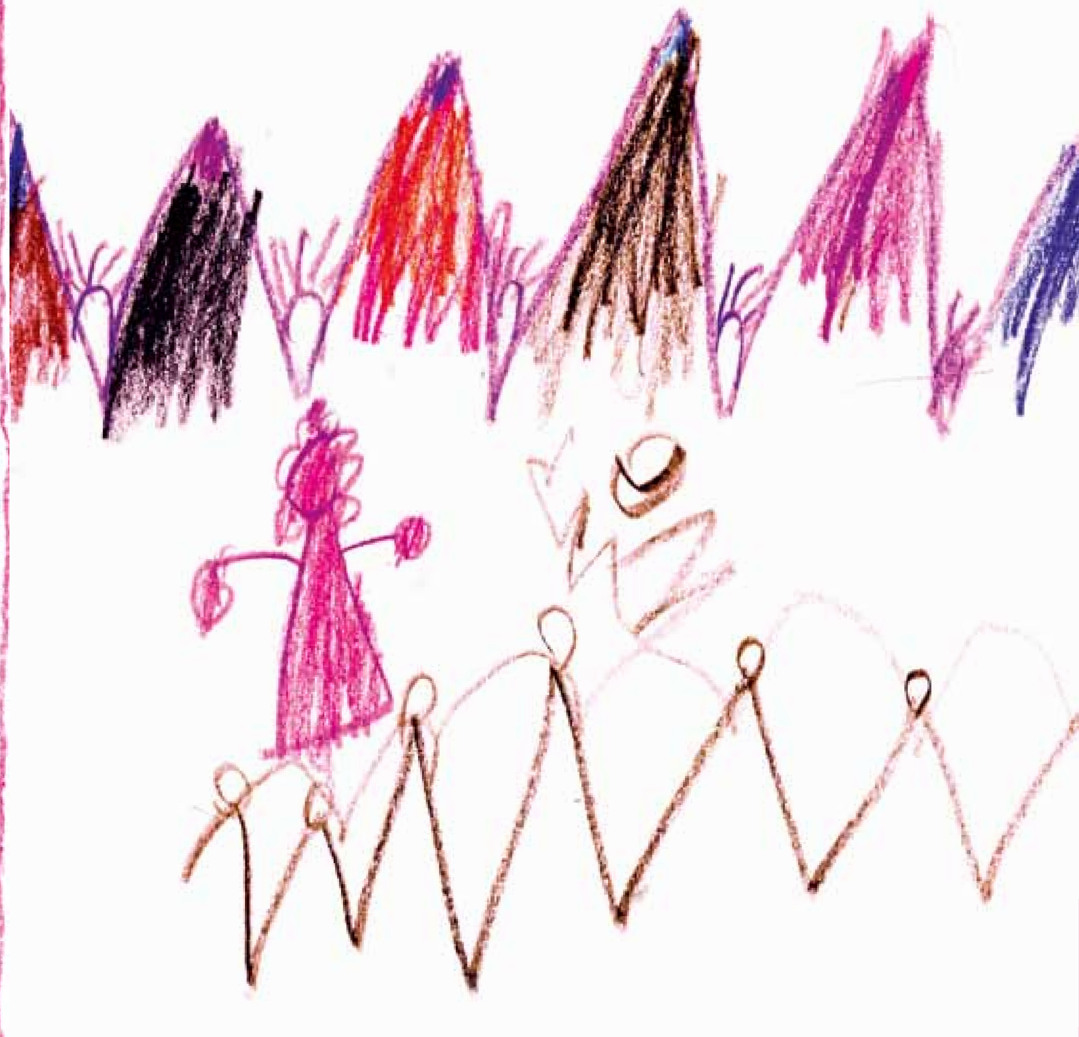

मैं एक आदमी को देख सकता हूँ।
उसका नाम नूह है।

नूह सृजनहार परमेश्वर
के लिए गा रहा है

मैं सृजनहार परमेश्वर को यह कहते सुन सकता हूँ, ‘नूह, एक बड़ी, बड़ी, बड़ी नाव बनाओ।

जल्दी करो, एक बड़ा तूफान आ रहा है।

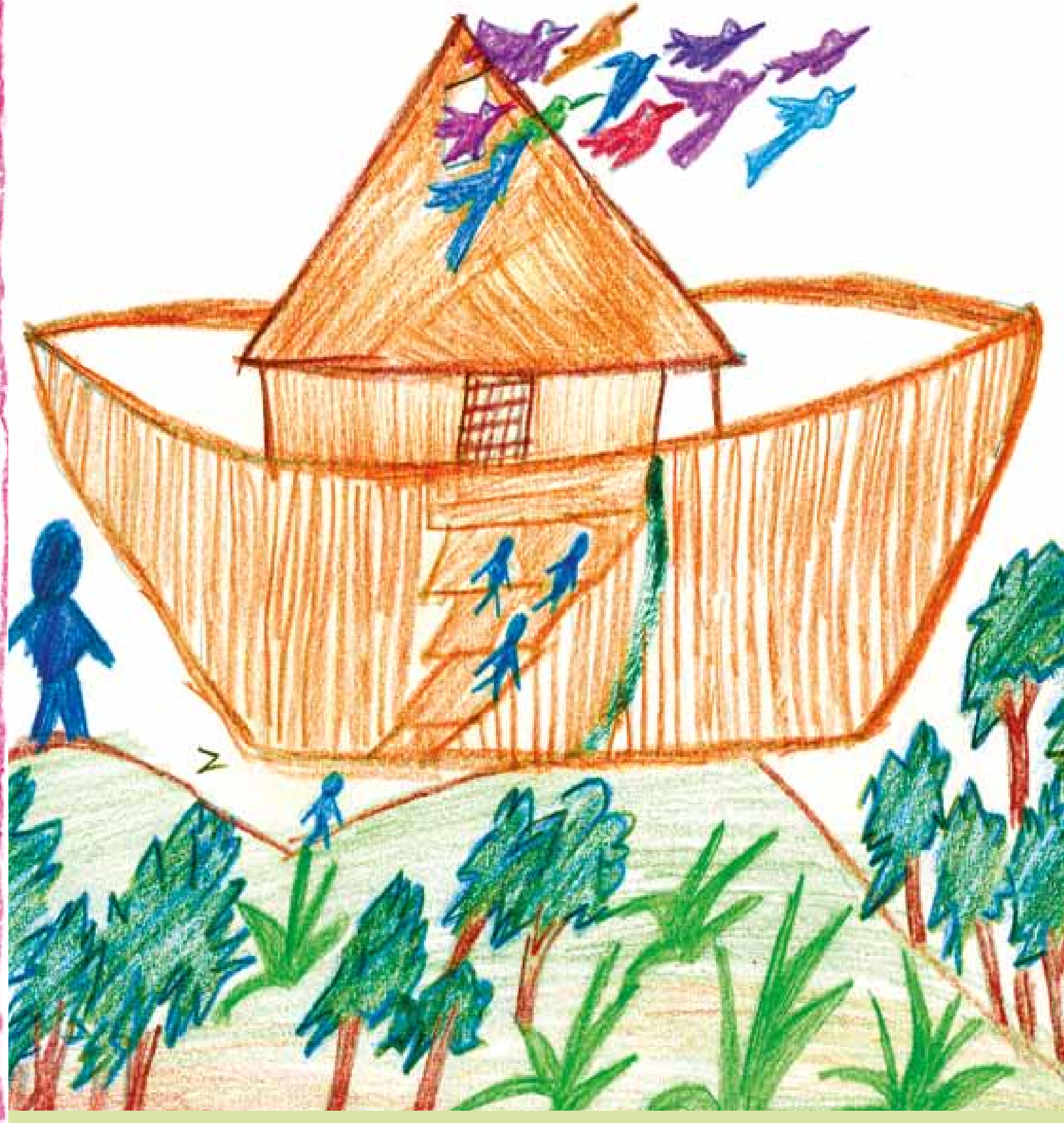

मैं तुम्हें, तुम्हारे परिवार और सभी जन्तुओं को बचाऊँगा।

जल्दी करो, एक बड़ा तूफान आ रहा है।’

मैं नूह को बनाते...बनाते...बनाते
हुए देख सकता हूँ।

जल्दी करो, एक बड़ा तूफान आ रहा है।

मैं सृजनहार परमेश्वर को यह कहते
सुन सकता हूँ, ‘नूह, तुम, तुम्हारा परिवार
और सभी जन्तु इस बड़ी, बड़ी,
बड़ी नाव में सवार हो जाओ।

जल्दी करो, एक बड़ा तूफान आ रहा है।’

मैं नूह, उसके परिवार और सभी जन्तुओं को उस बड़ी, बड़ी, बड़ी नाव में सवार होते देख सकता हूँ।

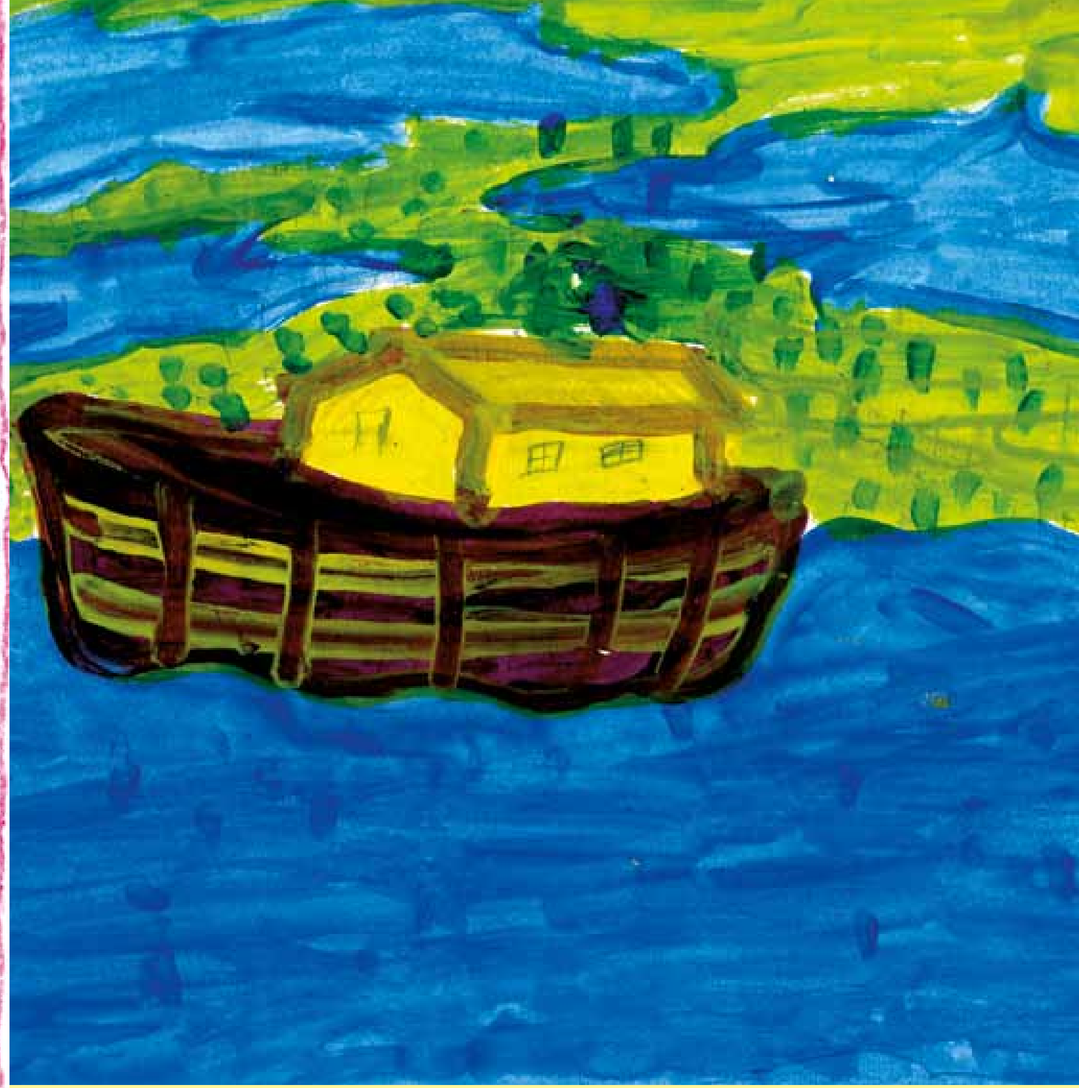

पानी ऊपर...ऊपर...ऊपर उठ रहा है।

ज़मीन पर बाढ़...बाढ़...बाढ़ आ रही है।

उस बड़ी, बड़ी, बड़ी नाव में नूह,
उसका परिवार और सभी जन्तु
आराम...आराम...आराम कर रहे हैं।

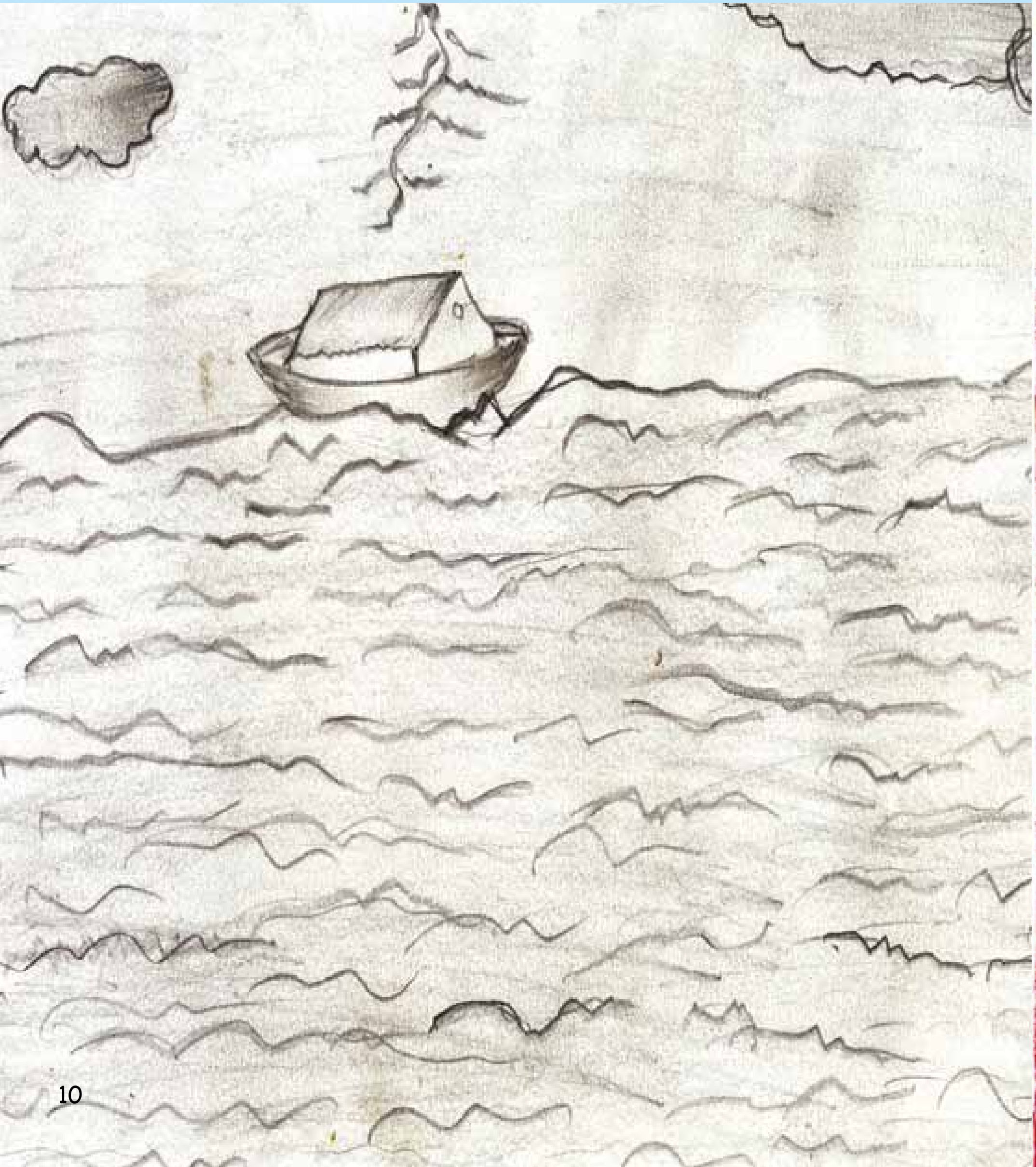

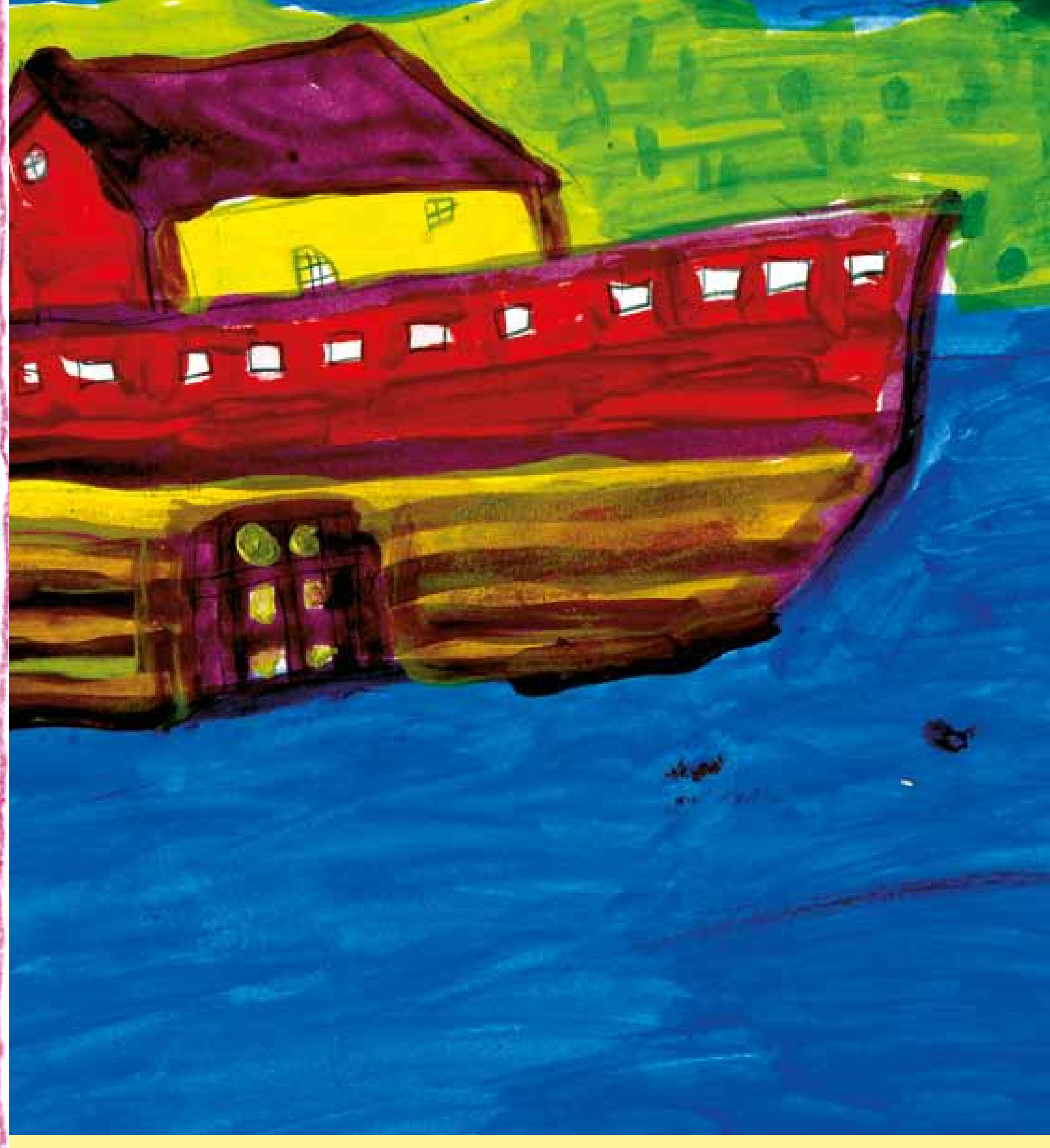

बड़ा तूफान थम...थम...थम रहा है।

पानी नीचे...नीचे...नीचे
उतर रहा है।

मैं सृजनहार परमेश्वर को यह कहते सुन सकता हूँ, ‘नूह, तुम, तुम्हारा परिवार और सभी जन्तु इस बड़ी, बड़ी, बड़ी नाव में से उतर जाओ।’

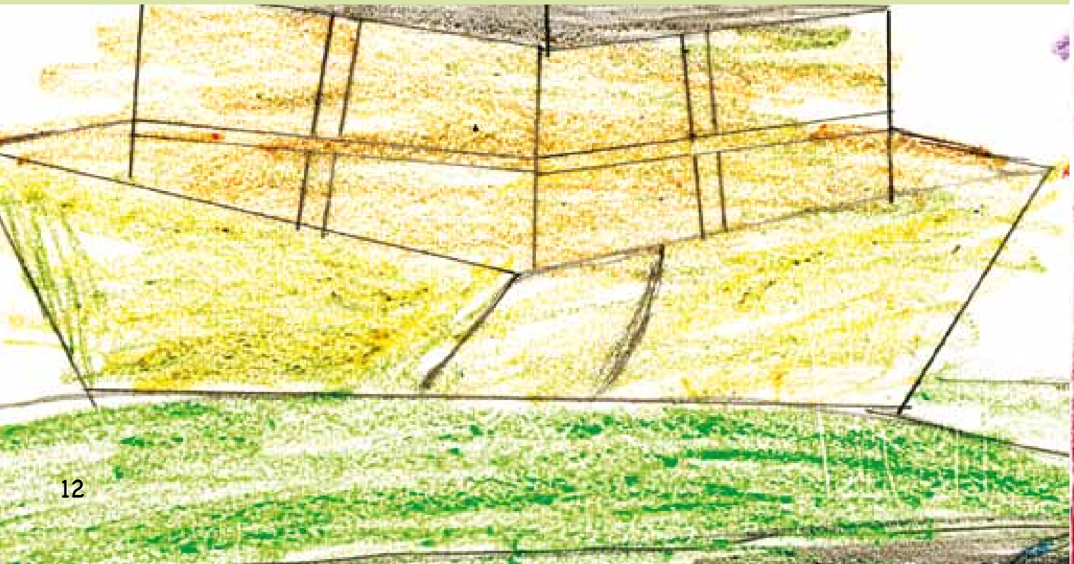

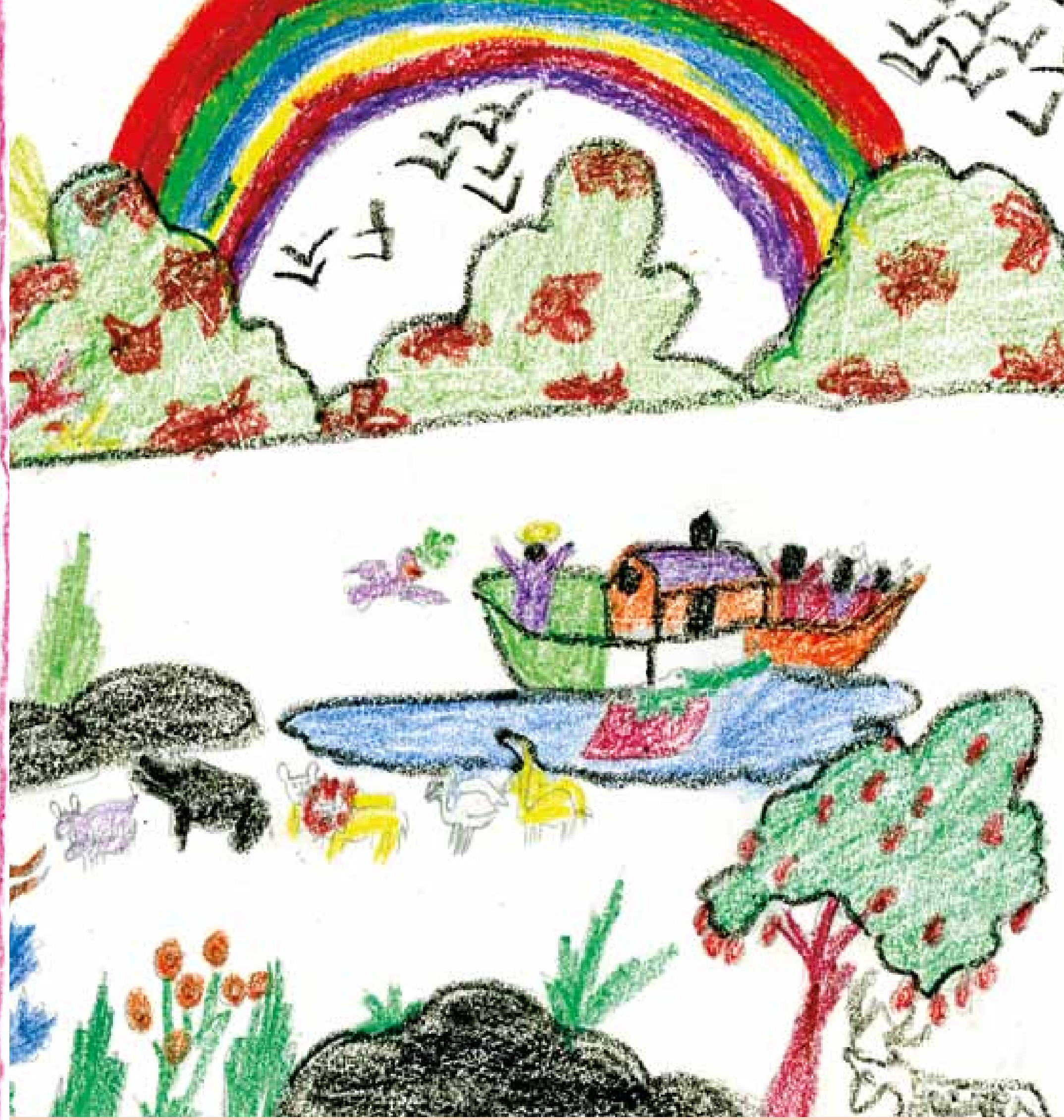

मैं नूह, उसके परिवार और सभी जन्तुओं को उस बड़ी, बड़ी, बड़ी नाव में से उतरते देख सकता हूँ

मैं आसमान में एक चमकती...
चमकती...चमकती रंगीन पट्टी
देख सकता हूँ।

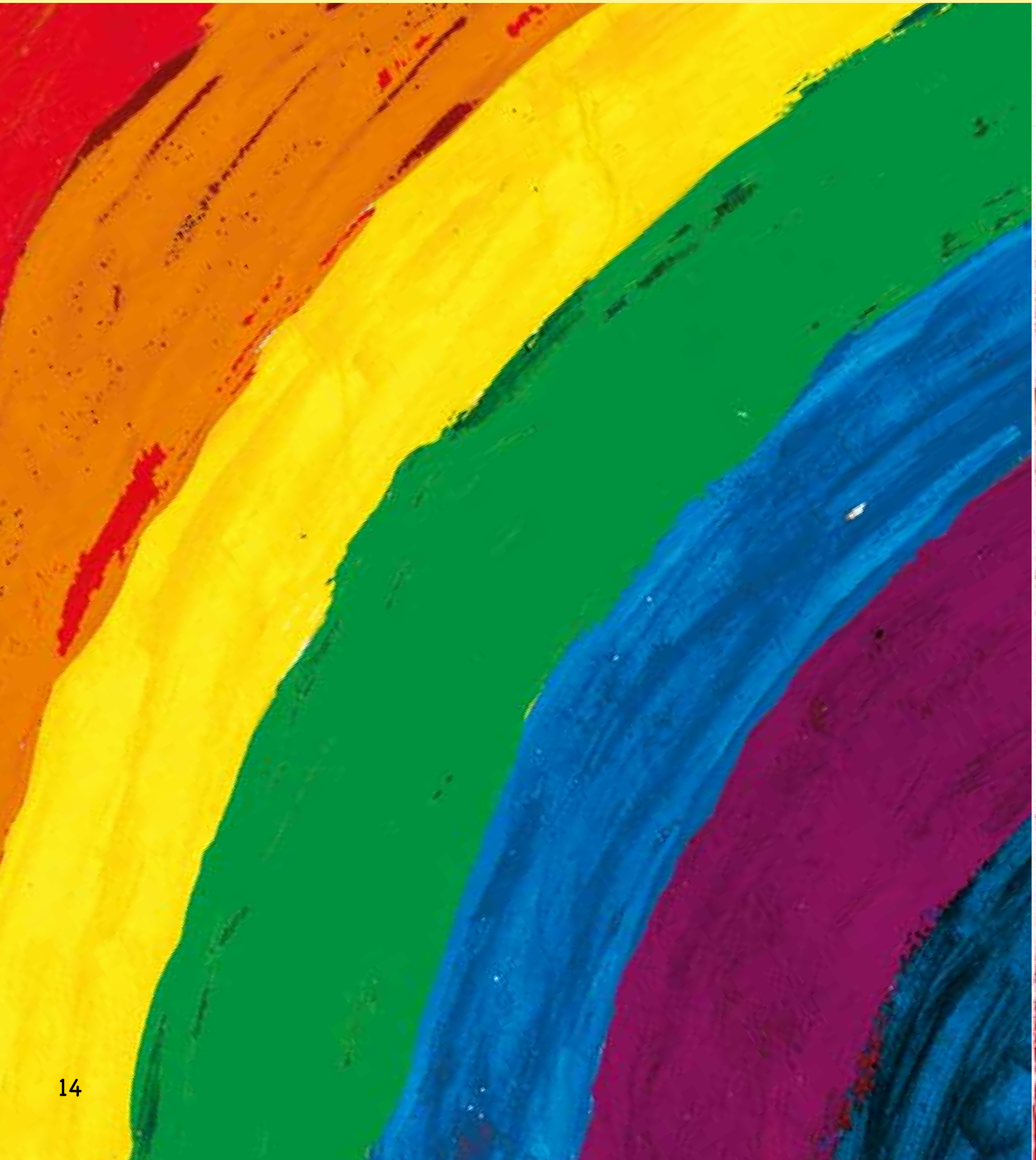

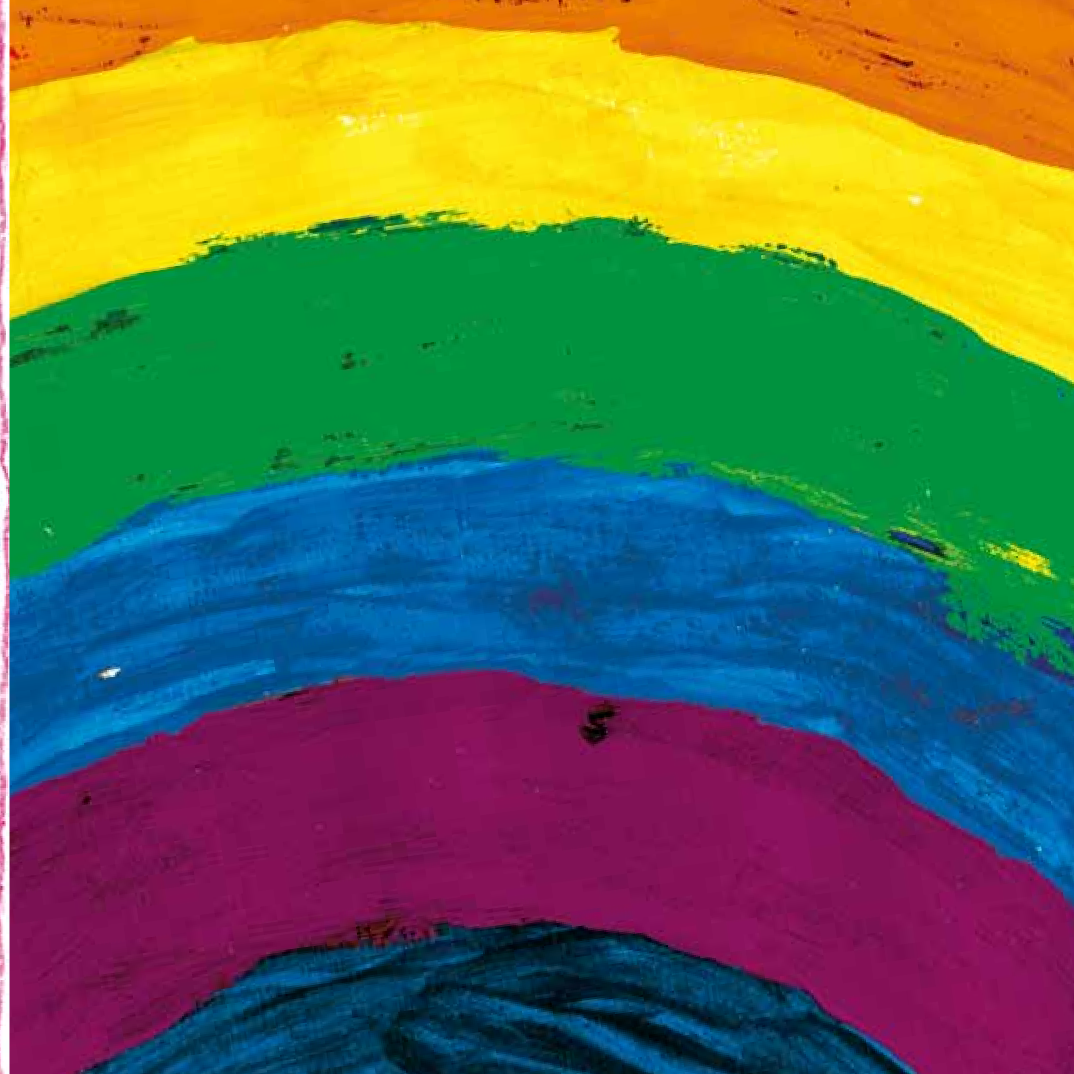

मैं सृजनहार परमेश्वर को यह कहते
सुन सकता हूँ, ‘मैं तुम्हें बचाऊँगा।
तुम मुझे पा लोगे।’

सृजनहार परमेश्वर आ रहा है।

एक विशेष उपहार

कई वर्ष बीत गए...

मैं एक आदमी को देख सकता हूँ।

उसका नाम अब्राहाम है।

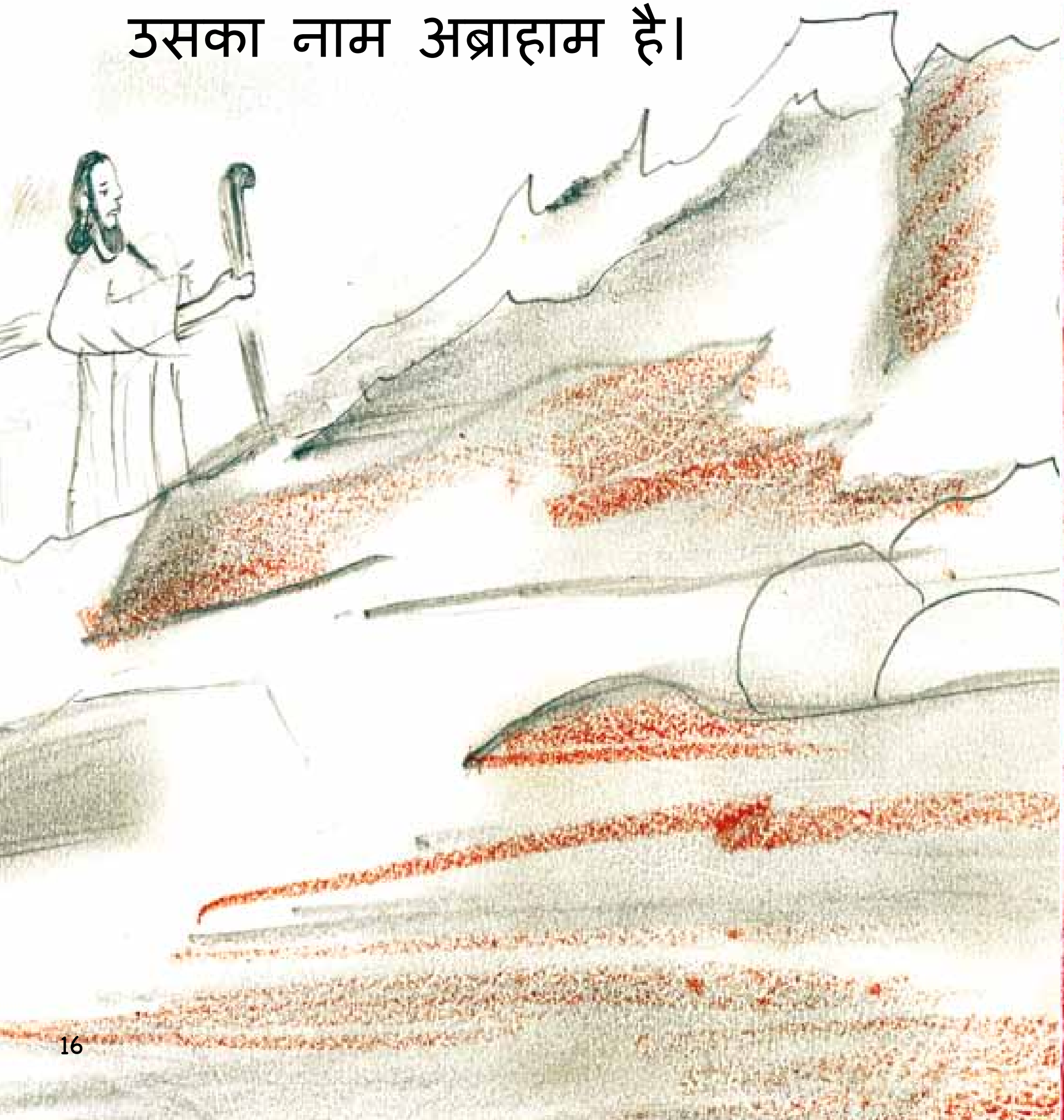

मैं सृजनहार परमेश्वर को
यह कहते सुन सकता हूँ,

‘अब्राहाम, तुम्हारी सन्तान
के द्वारा, मैं अपने
लोगों को बचाऊँगा।’

मैं देख सकता हूँ कि
अब्राहाम की एक पत्नी है।

उसका नाम साराह है।

अब्राहाम और साराह
के कोई सन्तान नहीं थी।

मैं अब्राहाम को यह कहते
सुन सकता हूँ,

‘सृजनहार परमेश्वर
कुछ भी कर सकता है।’

साराह भूल रही है...
भूल रही है...भूल रही है।

अब्राहाम कह रहा है,

‘सृजनहार परमेश्वर
कुछ भी कर सकता है।’

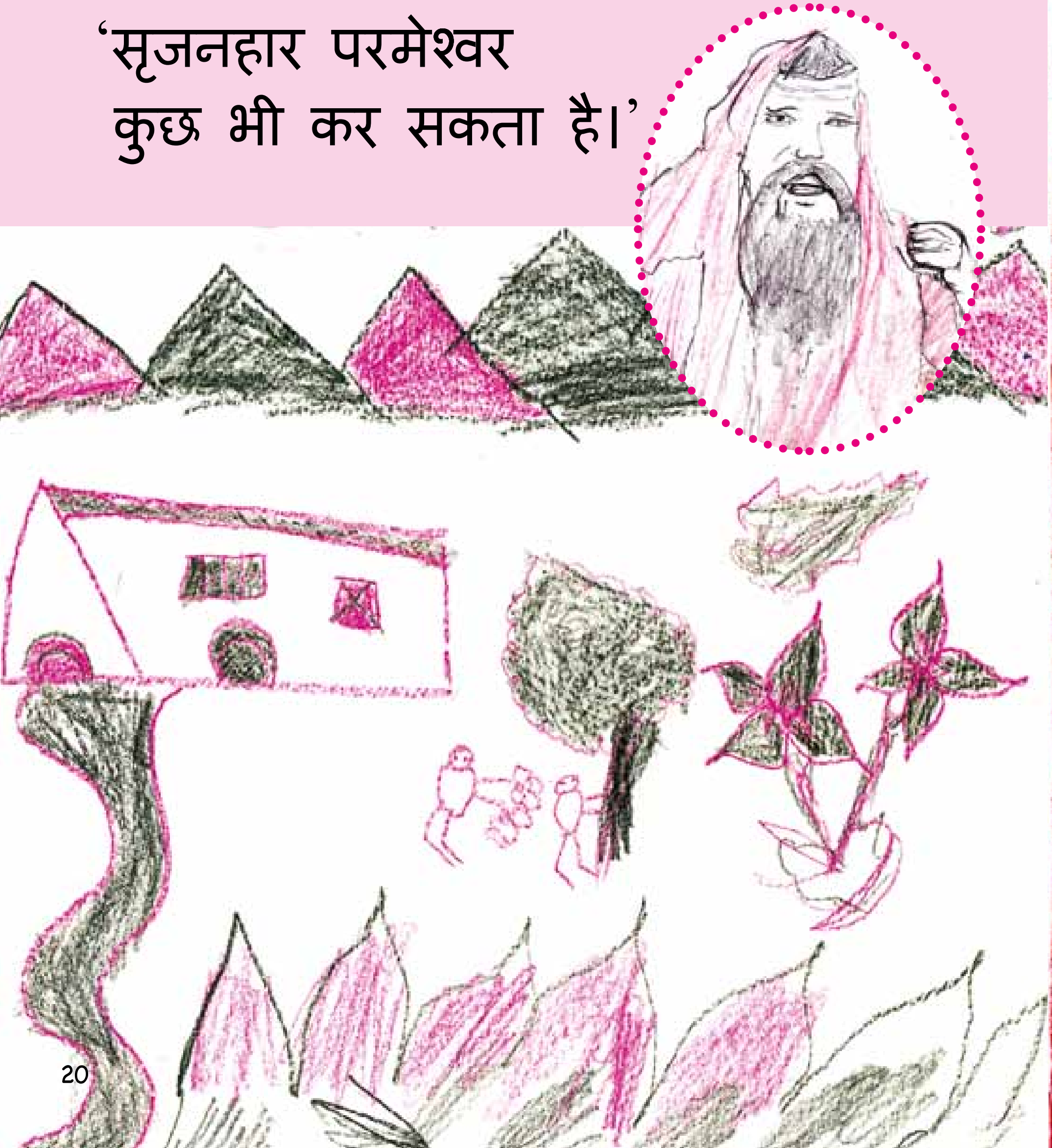

कई वर्ष बीत गए।

सृजनहार परमेश्वर
कुछ भी कर सकता है।

मैं अब्राहाम और उसकी पत्नी
साराह को देख सकता हूँ।

उनका एक बेटा है।

उसका नाम इसहाक है।

अब्राहाम, साराह और इसहाक
गा रहे हैं...गा रहे हैं...गा रहे हैं।

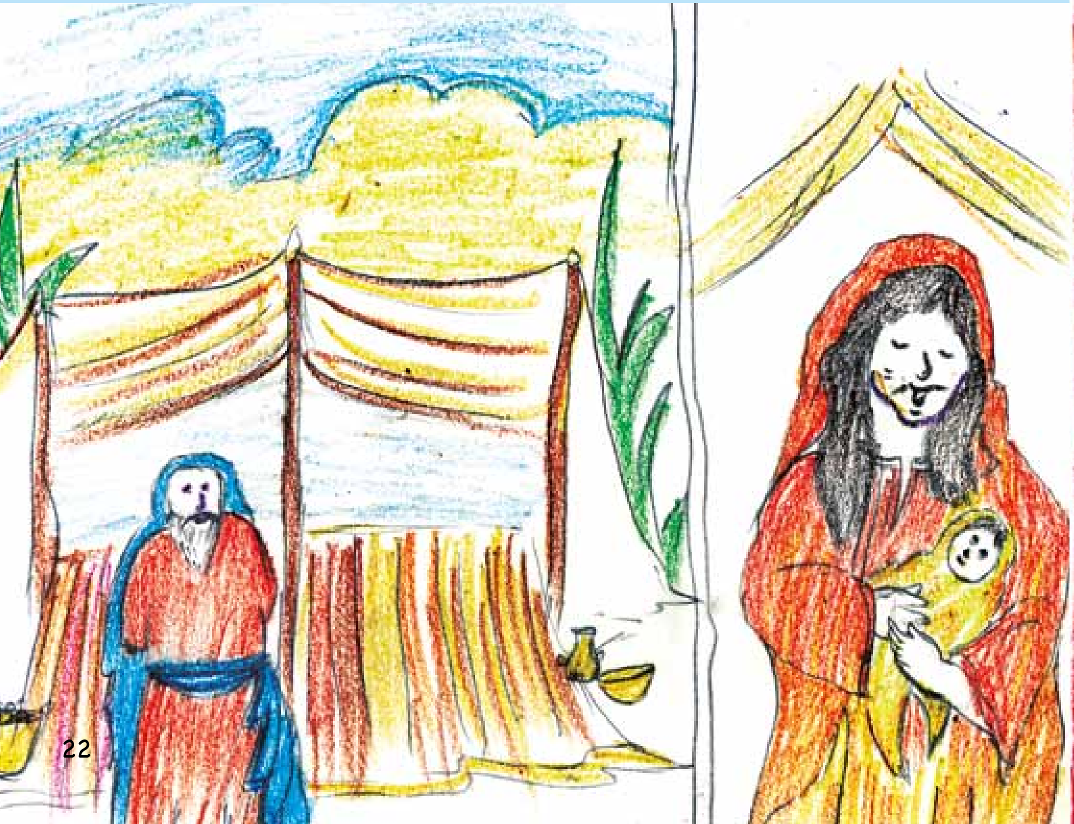

मैं सृजनहार परमेश्वर को
यह कहते सुन सकता हूँ,

‘अब्राहाम, अपने बेटे इसहाक को
मेरे लिए बलि चढ़ा दो।’

अब्राहाम अपने बेटे इसहाक
से प्यार करता था।

इसहाक अपने पिता अब्राहाम
से प्यार करता था।

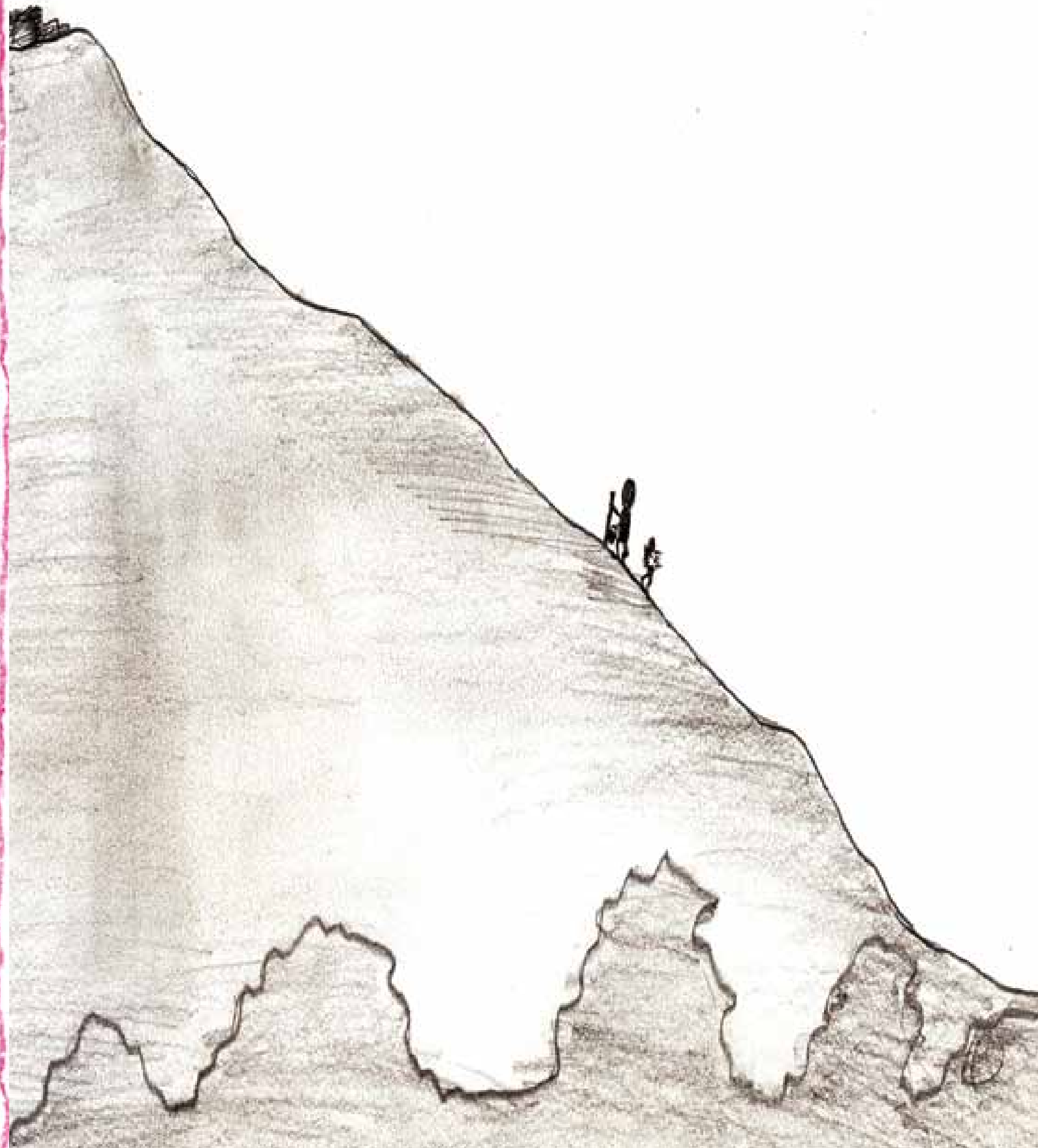

वे दोनों एकसाथ पहाड़ी पर
चढ़...चढ़...चढ़ रहे हैं।

मैं इसहाक को यह कहते सुन सकता हूँ,

पिताजी, सृजनहार परमेश्वर
के लिए बलि का
मेमना कहाँ है?

मैं अब्राहाम को यह कहते
सुन सकता हूँ,

'बलि के लिए मेमना
सृजनहार परमेश्वर ही देगा।'

अब्राहाम कह रहा है,

‘सृजनहार परमेश्वर
कुछ भी कर सकता है।’

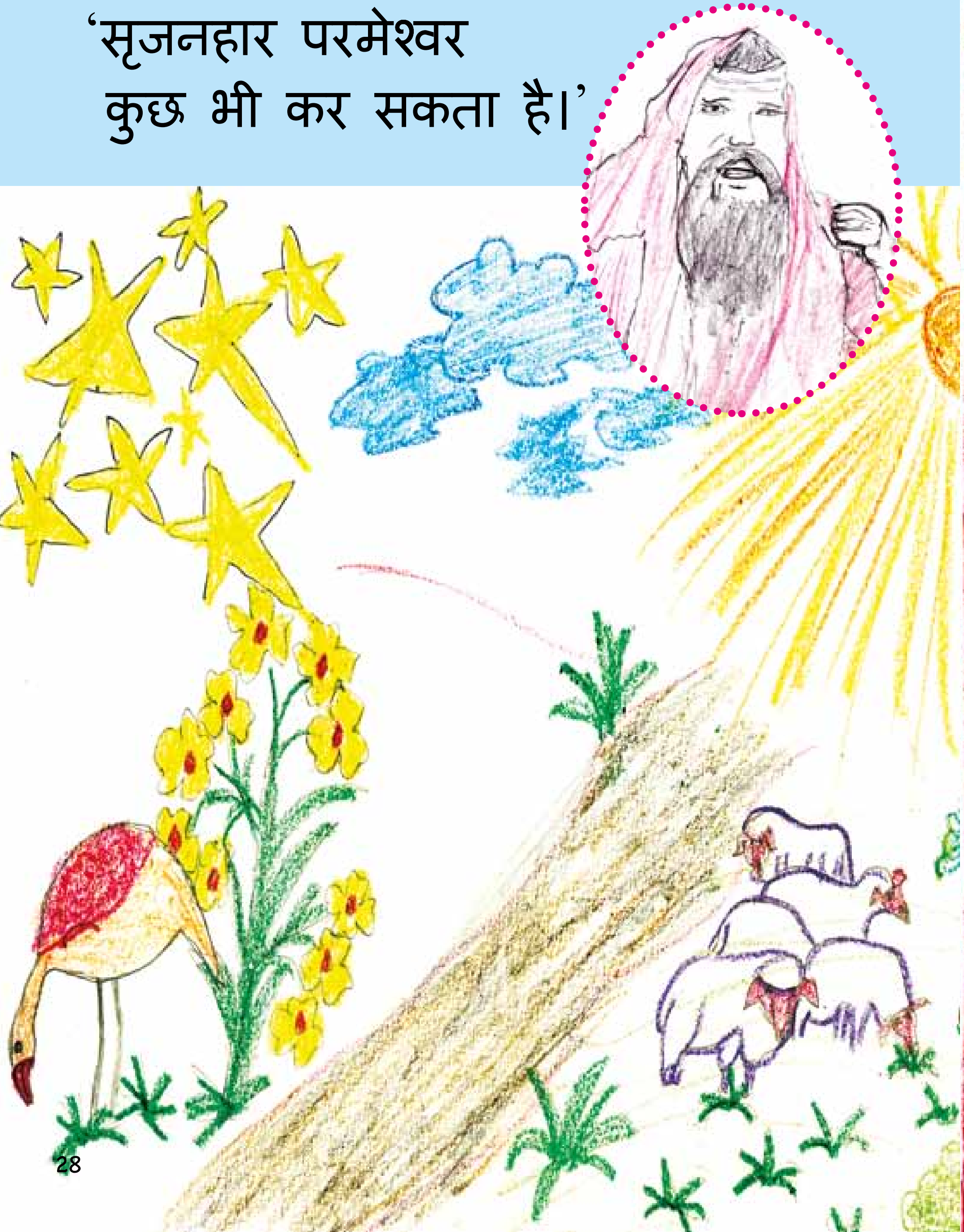

मैं इसहाक को वेदी पर
चढ़ते हुए देख सकता हूँ।

मैं अब्राहाम को अपना छुरा
उठाते हुए देख सकता हूँ।

अब्राहाम कह रहा है,

‘सृजनहार परमेश्वर
कुछ भी कर सकता है।’

मैं सृजनहार परमेश्वर को
यह कहते सुन सकता हूँ,

‘अब्राहाम, रुको!

मैं चाहता हूँ कि इसहाक जीवित रहे!

उस मेमने की बलि चढ़ा,
जो मैं दे रहा हूँ।’

मैं सृजनहार परमेश्वर को
यह कहते सुन सकता हूँ,

'अब्राहाम, तुम्हारी सन्तान
के द्वारा, मैं अपने
लोगों को बचाऊँगा।'

सृजनहार परमेश्वर आ रहा है।